



धमाका डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 79,325	Silver 96,500	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

ग्वालटोली तालाब बनेगा शहर का प्रमुख पर्यटक स्थल

भाजपा जिलाध्यक्ष व नपाध्यक्ष के हाथों हुआ एक करोड़ के सौंदर्यीकरण कार्य का भूमिपूजन, अतिथिगणो ने पौधारोपण भी किया



नीमच। नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे विकास कार्यों की श्रृंखला में सोमवार 26 मई को शहर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित ग्वालटोली तालाब पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति-गौरव चौपड़ा ने एक करोड़ 4 लाख 81 हजार की लागत से वार्ड क्रमांक 9 स्थित ग्वालटोली तालाब पर होने वाले सौंदर्यकरण एवं रिज्यूवनेशन कार्य का भूमिपूजन अन्य अतिथिगणों एवं वार्ड वासियों की उपस्थिति में किया।

कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष दारासिंह यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्वातिका जाट, नपा सभापति श्रीमती छाया जायसवाल, नीरज अहीर, ग्वाला समाज के प्रमुख धनरालाल पटेल, श्यामलाल चौधरी, प्रजापति समाज के अध्यक्ष राजकुमार प्रजापति, महेश प्रजापति, वार्ड पार्षद हरगोविंद दीवान,

भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना जायसवाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष योगेश जैन, पार्षद श्रीमती सुमित्रा-मुकेश पोरवाल, राकेश किलोरिया, आलोक सोनी, रुपेंद्र लौकष, योगेश कविश्वर, शशि कल्याणी, दुर्गाशंकर भील, राकेश सोनकर, इकबाल कुरेशी, स्वच्छता एंबेसडर विवेक खंडेलवाल, पूर्व एलडरमेन संतोष पंजाबी, शोकीन पामेचा, जगदीश बागड़ी, राजाराम पाटीदार, राजेंद्र परिहार आदि भी मंचासीन थे। कार्यक्रम पश्चात् उपस्थित अतिथियों ने वाटिका में क्षेत्रवासियों की उपस्थिति में पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में वार्ड के निवासियों एवं उपस्थित पार्षदगणों ने मंचासीन अतिथियों का पुष्पहार से स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नपा अध्यक्ष श्रीमती चौपड़ा ने अपने उद्घोषन में कहा कि हम सभी पार्षदगणों के सहयोग से शहर का चौमुखी विकास करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारे इस प्यारे से शहर

में खूबसूरत चोड़ी चोड़ी सड़के हो, सुंदर बगीचे हो, पर्यटक स्थल हो, हमारा शहर स्वच्छ व सुंदर हो यही सोच लेकर हम शहर विकास को गति प्रदान कर रहे हैं और इसी उद्देश्य से आज एक करोड़ से अधिक लागत का तालाब सौंदरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया जा रहा है। यह ग्वालटोली तालाब शहर का प्रमुख पर्यटक स्थल बनेगा और आसपास के सभी वार्डों के नागरिकों को घूमने के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खंडेलवाल ने प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में महिलाओं व अन्य सभी वर्गों के लिए चलाई जा रही योजनाओं व मुख्यमंत्री मोहन जी यादव के नेतृत्व में प्रदेश सहित नीमच शहर में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि भाजपा जो कहती है वह करती है। हमने जनता से जो वादे किए थे उन्हें विधायक दिलीपसिंह परिहार के मार्गदर्शन व बहिन स्वाति चौपड़ा के नेतृत्व में पूरे कर रहे हैं। कार्यक्रम

को भाजपा मंडल अध्यक्ष दारासिंह यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष योगेश जैन, जलकल सभापति श्रीमती छाया जायसवाल ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम की शुरुआत में स्वागत भाषण देते हुए वार्ड 9 से पार्षद हरगोविंद दीवान ने कहा कि मेरे वार्ड अंतर्गत आने वाले इस ग्वालटोली तालाब के सौंदर्यकरण के लिए लंबे समय से मेरे द्वारा प्रयास किया जा रहा था। परिषद में 2 वर्ष पूर्व 16 जनवरी 2023 को प्रस्ताव पारित होने के बाद से इन दो सालों तक के समय से इस प्रोजेक्ट के लिए नगर पालिका व हम सभी प्रयासरत थे। तब जाकर हमें यह एक खूबसूरत ग्वालटोली तालाब के सौंदर्यीकरण की सोनात मिली है।

कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश पण्पु मंगल ने किया व आभार पार्षद श्रीमती सुमित्रा पोरवाल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में नपा कार्यालय अधीक्षक कन्हैयालाल शर्मा, सहायक यंत्री अभिलाषा चौरसिया,

उपयंत्री अंबालाल मेघवाल, ओपी परमार, नईम खान, एनयुएलएम के अधिकारी प्रवीण आर्य, क्षेत्र के भेरूलाल चौहान, प्रहलाद दीवान, पंकज अजमेरा, सोनू शर्मा, विजय अजमेरा, दीपक मेहरा, मुकेश कुशवाहा, श्री श्यामलाल मालवीय, नारायण चौहान, धरम लोहार, जीतू चौहान, भारतसिंह लोहार, दौला लोहार, मोना सफा, श्रीमती प्रेमबाई चौहान, श्रीमती दीप्ति जोशी, श्रीमती अंजली कलौसिया, श्रीमती भगवती दीवान, अनीता दीवान, सुशील चौहान, श्रीमती सोनू शर्मा, श्रीमती उषा चौहान, रेखा कलसिया, सीता भील, राधा सालवी, कैलाश दीवान, रामसिंह पटेल, विककी कुमार, जितेंद्र सुराह, राकेश थम्मार, दिनेश मेहरा, हरि मेहरा कैलाश प्रजापति, दिनेश पटेल, सरदार लोहार, चेतन दीवान सहित बड़ी संख्या में वार्ड के महिला, पुरुष एवं युवाजन उपस्थित थे। भूमिपूजन का कार्यक्रम गणेश मंदिर के पुजारी केशवानंद चतुर्वेदी ने संपन्न कराया।

madan mali 9669999779

rajmal gayri 9926640630

SHREE DEV ENTERPRISES

GSTIN-23AHDPJL6502G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

GSTIN-23BISG9689G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

मदन माली 9669999779

राजमल गायरी 9926640630

श्रीदेव

वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागाँव, जिला-नीमच

मनासा आईटीआई में प्रवेश के लिए हेल्पडेस्क स्थापित

नीमच 27 मई (निप्र)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मनासा में 2025 में आईटीआई में संचालित ट्रेड इलेक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, कोपा, स्टेनो हिन्दी में प्रवेश के लिए हेल्पडेस्क की स्थापना की गई है। जिसमें पोटल शुल्क के अलावा कोई शुल्क नहीं

लिया जा रहा है। सम्पूर्ण रजिस्ट्रेशन एवं च्वाईस फिलिंग निःशुल्क किया जा रहा है। कार्यलयीन समय में अवकाश के दिन सहित रजिस्ट्रेशन एवं च्वाईस फिलिंग की जा रही है। उक्त ट्रेड में प्रवेश के लिए 10 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। अधिक जानकारी के लिए शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था मनासा में संपर्क कर सकते हैं।

30 में से केवल 5 मंत्री अपना रहे डिजिटल त्यवरस्था

मंत्रालय में सिर्फ मुख्य सचिव का दफ्तर पूरी तरह पेपरलैस, ई-ऑफिस सिस्टम में छोटे जिले आगे

भोपाल 26 मई (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में 1 जनवरी से लागू ई-ऑफिस सिस्टम में बड़े जिले और सभागों के अधिकारियों की ज्यादा रुचि दिखाई नहीं दे रही है। मंत्रालय की बात करें तो केवल मुख्य सचिव का दफ्तर ही 100 फीसदी ई-ऑफिस में तब्दील हुआ है, जबकि मुख्यमंत्री सचिवालय में भी 30 फीसदी फाइलों का मूवमेंट मैन्युअली हो रहा है। बात करें, मंत्रियों के दफ्तरों की तो 30 में से केवल 5 मंत्रियों का दफ्तर ही ई-ऑफिस में तब्दील हुआ है।

नेशनल इनफोर्मेटिक्स सेंटर (NIC) ने मंत्रालय समेत विभागाध्यक्ष कार्यालय, सभागीय कार्यालय और जिलों में ई-ऑफिस सिस्टम का एनालिसिस किया है। ये रिपोर्ट सामान्य प्रशासन विभाग को सौंपी है। 1 जनवरी से 30 अप्रैल तक किए गए एनालिसिस में सामने आया कि 55 जिलों में से केवल 15 जिलों में ही 500 से ज्यादा ई-फाइलें क्रिएट हुई हैं, बाकी जिलों में ये आंकड़ा 500 से नीचे है। इसी तरह विभागों की बात करें तो सामान्य प्रशासन विभाग ई-ऑफिस सिस्टम में अव्वल है, जबकि प्रवासी भारतीय विभाग में सिस्टम चालू ही नहीं हुआ है। मंडे स्टोरी में पढ़िए, कौन से विभाग और जिले टॉप

ई-फाइलिंग सिस्टम का फायदा

- हर फाइल की लोकेशन अपडेट रहेगी, जिससे फाइलों का तेजी से मूवमेंट होगा।
- ई-ऑफिस सिस्टम में लिपिक से लेकर मुख्य सचिव तक फाइल निपटाने की समय सीमा तय की गई है।
- तय समय पर फाइल आगे नहीं बढ़ाई गई, तो संबंधित अफसर को इसकी वजह भी बतानी पड़ेगी।
- बिना किसी कारण के फाइल को नहीं रोका जा सकेगा। इसके बाद भी फाइलें लॉकिंग रहती हैं, तो संबंधितों पर कार्रवाई की जा सकेगी।
- इमरजेंसी में एक ऑफिस से दूसरे ऑफिस में अधिकारियों को फाइल लेकर आना-जाना नहीं पड़ेगा। एक क्लिक पर फाइल सामने स्क्रीन पर मिल जाएगी।

5 में हैं और कौन ई-ऑफिस सिस्टम लागू करने में पिछड़ गया है।

ई- फाइल मूवमेंट सिस्टम का अहम हिस्सा - ई-ऑफिस एक ऑनलाइन सिस्टम है। इसमें फाइलों के मूवमेंट के साथ अधिकारी-कर्मचारियों का पूरा डेटाबेस, उनकी छुट्टी, दौरे, गोपनीय चरित्रावली और संपत्ति के विवरण को डिजिटलाइज करने के निर्देश हैं। इसके लिए नेशनल इनफोर्मेटिक्स सेंटर ने एक डिजिटल

प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसमें ये सारी सुविधाएं मौजूद हैं। इसका सबसे अहम हिस्सा फाइलों का मूवमेंट है, क्योंकि ये सीधे आम लोगों से जुड़ा मामला है। सरकारी दफ्तरों में फाइलों के मूवमेंट में ही सबसे ज्यादा देरी होती है। कई-कई सालों तक फाइलें धूल खाती हैं, आगे

नहीं बढ़तीं। ई-ऑफिस सिस्टम में अधिकारी से लेकर कर्मचारियों को अपने कंप्यूटर पर बैठकर ही फाइलें निपटानी हैं। इससे ये भी पता चलता है कि कौन सी फाइल किस अफसर के पास कब से लॉकिंग है, उसकी क्या वजह है? यानी फाइल के मूवमेंट को रियल टाइम ट्रैक किया जा सकता है।

ऐसे लागू किया गया ई-फाइलिंग सिस्टम - मंत्रालय, विभागों और जिला एवं

संभाग स्तर के कार्यालयों को ई-फाइलिंग सिस्टम को लागू करने के लिए दो काम करने थे। पहला नई ई-फाइलें क्रिएट करना और दूसरा पी-फाइलें क्रिएट करना, यानी जो पुरानी फाइलें हैं, उन्हें स्कैन कर डिजिटल फॉर्मेट तैयार करना। इसके बाद इसी डिजिटल फॉर्मेट को आगे बढ़ाना।

मुख्यमंत्री सचिवालय में 70 फीसदी पेपरलेस वर्क - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गृह, सामान्य प्रशासन समेत 10 अहम विभागों की जिम्मेदारी संचालन रहे हैं। उनके भी कई विभागों में ई-ऑफिस सिस्टम पूरी तरह से लागू नहीं हो सका है। मुख्यमंत्री सचिवालय में 70 फीसदी काम पेपरलेस है। सूत्र कहते हैं कि मुख्यमंत्री के लिए मैन्युअल फाइल व्यवस्था को पूरी तरह से बंद भी नहीं किया है।

मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री के साइन की कॉपी कर कोई इसका दुरुपयोग न कर सके, इसका भी ख्याल रखा गया है। इसलिए कुछ अहम फाइलों को मैन्युअली ही तैयार किया जाता है। ऑनलाइन सुरक्षा को और ज्यादा पुख्ता कर धीरे-धीरे फाइलों का मैन्युअल मूवमेंट भी ऑनलाइन किया जाएगा।

संभाग स्तर के कार्यालयों को ई-फाइलिंग सिस्टम को लागू करने के लिए दो काम करने थे। पहला नई ई-फाइलें क्रिएट करना और दूसरा पी-फाइलें क्रिएट करना, यानी जो पुरानी फाइलें हैं, उन्हें स्कैन कर डिजिटल फॉर्मेट तैयार करना। इसके बाद इसी डिजिटल फॉर्मेट को आगे बढ़ाना।

मुख्यमंत्री सचिवालय में 70 फीसदी पेपरलेस वर्क - मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गृह, सामान्य प्रशासन समेत 10 अहम विभागों की जिम्मेदारी संचालन रहे हैं। उनके भी कई विभागों में ई-ऑफिस सिस्टम पूरी तरह से लागू नहीं हो सका है। मुख्यमंत्री सचिवालय में 70 फीसदी काम पेपरलेस है। सूत्र कहते हैं कि मुख्यमंत्री के लिए मैन्युअल फाइल व्यवस्था को पूरी तरह से बंद भी नहीं किया है।

मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री के साइन की कॉपी कर कोई इसका दुरुपयोग न कर सके, इसका भी ख्याल रखा गया है। इसलिए कुछ अहम फाइलों को मैन्युअली ही तैयार किया जाता है। ऑनलाइन सुरक्षा को और ज्यादा पुख्ता कर धीरे-धीरे फाइलों का मैन्युअल मूवमेंट भी ऑनलाइन किया जाएगा।

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

28 मई 2025

वर्ष - 02, अंक - 56 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

विशेष चेंकिंग अभियान के तहत 15 दिनों में 1.20 लाख रुपये शमन शुल्क वसूला

नीमच 27 मई (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा के निर्देशन में जिला परिवहन अधिकारी नंदलाल गामड़ और टीम ने यातायात नियमों के अंतर्गत सुरक्षा की दृष्टि से वाहनों की चेंकिंग कर चालानी कार्यवाही की है।

इस संबंध में परिवहन कार्यालय नीमच से प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवहन विभाग ने मध्य प्रदेश शासन द्वारा चलाए जा रहे वाहनों की विशेष जांच अभियान के तहत अवैध रूप से बसों में

ओवरलोड पर कार्रवाई करते हुए यात्री बसों की चेंकिंग की साथ ही ओवरलोडिंग वाहनों पर भी चालानी कार्रवाई करते हुए समझाइश दी। इस दौरान व्यवसायिक वाहनों से 15 दिन में एक लाख 20 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूला गया है। इस दौरान परिवहन अधिकारी नंदलाल गामड़, एवं सहायक सर्व सुमित चौहान, नारायण सिंह, वीरेंद्र सिंह, अजय प्रजापति भी मौजूद रहे। इस प्रकार की चालानी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

सांसद सुधीर गुप्ता ने भरी ऊंची उड़ान



मंदसौर 26 मई (निप्र)। शहर के नवलखा बिड स्थित एयर स्टीप पर ग्लोबल कनेक्ट एविएशन प्राइवेट सर्विस लिमिटेड के पैरा मोटर फ्लाईंग और पैरा ग्लाईडिंग (विच) सेवा का आनंद लेने सांसद सुधीर गुप्ता पहुंचे इस दौरान उन्होंने पैरा ग्लाईडिंग का भी आनंद लिया । सबसे खास बात यहां इस दौरान सांसद सुधीर गुप्ता

शर्ट पहने दिखे फॉर्मल पेण्ट शर्ट में सांसद गुप्ता एक अलग ही अंदाज में दिख रहे थे, उन्होंने पैराग्लाईडिंग के दौरान कि कुछ तस्वीरें अपने शोशल मीडिया अकाउंट पर भी साझा की है। इस अवसर पर पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, मंडल अध्यक्ष विनोद डगवार, उद्योगपति विजय सुरणा सहित कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

12th सफर जोश का

के बाद **मंजिल कामयाबी की**

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और **डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टैक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये**

22 वर्षों का अनुभव ।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

ISO 9001 : 2008 Certified

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान योजना लागू

5 लाख रूपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को **निःशुल्क उपचार**

GMH

...where healing begins.

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों कें उपचार **निःशुल्क** किए जाएंगें -

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंभीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालस के पीछे, कनावटी, नीमच ८6262778282

सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न समस्त मत पंथ विश्व में शांति चाहते हैं



प्रहलाद सबनानी

पूरे विश्व में संभवतः केवल भारत ही एक ऐसा देश है जहां धार्मिक विविधता एवं धार्मिक सहिष्णुता को समाज द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है। सनातन हिंदू संस्कृति में धर्म को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। भारतीय नागरिक स्वयं को किसी न किसी धर्म से सम्बंधित अवश्य बताता है। इसी के चलते, भारतीय नागरिक विश्व के किसी भी कोने में चला जाय परंतु अपनी संस्कृति को छोड़ता नहीं है।

भारत में सनातन हिंदू धर्म तो अनादि एवं अनंत काल से चला आ रहा है परंतु बाद के खंडकाल में भारत में कई अन्य प्रकार के मत पंथ भी विकसित हुए हैं जैसे बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म आदि। भारत में विकसित विभिन्न मत पंथ मूलतः सनातन हिंदू संस्कृति का ही अनुपालन करते हुए दिखाई देते हैं और ऐसा कहा जाता है कि यह समस्त मत पंथ सनातन हिंदू धर्म की विभिन्न धाराएं ही हैं। भारत में विकसित मत पंथ सामान्यतः अपने दर्शन, कर्मकांड एवं सामाजिक ताने बाने के दायरे में अपने धर्म का अनुपालन करते हैं। भारत में हिंदू धर्म के सिद्धांतों पर चलने वाले नागरिकों की संख्या सबसे अधिक हैं एवं यह भारत का सबसे बड़ा धर्म है, जिसमें विभिन्न देवी देवताओं और पूजा प्रथाओं की एक विस्तृत प्रणाली शामिल है।

भारत में विकसित हुए मत पंथों में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर हुई है। यह शिक्षाएं मानव जीवन से दुःख और उसके कारणों को दूर करने के सम्बंध में हैं। बौद्ध धर्म में ध्यान, प्रेम एवं करुणा पर जोर दिया जाता है। बौद्ध धर्म में कर्मकांड के महत्व को भी रेखांकित किया गया है परंतु इसका उद्देश्य ईश्वर की आराधना नहीं बल्कि मोक्ष की प्राप्ति करने से है।

भारत में ही विकसित दूसरे महत्वपूर्ण मत पंथ, जैन धर्म में अहिंसा, आत्म संयम, सत्य एवं ईमानदारी पर अधिक जोर दिया जाता है। जैन धर्म में ऐसा माना जाता है कि मोक्ष की प्राप्ति स्वयं के प्रयासों से ही सम्भव है।

भारत में ही विकसित तीसरा महत्वपूर्ण मत पंथ है सिख धर्म जिसकी स्थापना श्री गुरु नानक देव जी ने की थी। सिख धर्म ईश्वर में विश्वास, सेवा, समानता एवं सत्यनिष्ठा पर आधारित है। सिख धर्म में ईश्वर की उपासना की जाती है परंतु यह उपासना कर्मकांड से परे हैं।

भारत की सनातन हिंदू संस्कृति को पूरे विश्व में अति प्राचीन संस्कृति के रूप में देखा जाता है। मूल रूप से भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में आध्यात्म का विशेष महत्व है जिसके अंतर्गत ह्रदयसुधैव कुटुंबकमहद्, ह्रसर्वजन हिताय सर्वजन सुखायहद्, ह्रविश्व का कल्याण होहद्, ह्रकृत्सी भी जीव का अस्तित्व न होहद् जैसे भावों पर अमल करने का प्रयास किया जाता है। भारत में चूँकि मनुष्य के साथ साथ जीव जंतुओं, नदियों, पहाड़ों, पेड़ पौधों एवं जंगलों, आदि में भी ईश्वर का वास माना जाता है इसलिए किसी भी जीव को कोई क्षति न हो इस भावना को न केवल को आगे



बढ़ाया जाता है बल्कि इस सिद्धांत पर अमल भी किया जाता है। इसीलिए भारत मूलतः शांतिप्रिय देश माना जाता है तथा भारत में हिंसा के लिए तो कोई जगह ही नहीं है। भारत के धर्मग्रंथों में भी जाने अनजाने में भी की गई जीव हत्या को पाप की संज्ञा दी गई है। सनातन हिंदू संस्कृति के ग्रंथों, उपनिषदों, आदि द्वारा काम, कर्म एवं अर्थ को धर्म के साथ जोड़कर ही सम्पन्न करने के उपदेश दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, महाभारत में वेद व्यास जी ने धर्म के आठ तरीके बताए हैं - (i) यज्ञ - जिसका आशय है कि ऐसा कर्म जो समाज के लाभ के लिए किया जाता है। (ii) दान - समाज की सहायता करना। (iii) तप - अर्थात् स्वयं में सुधार करते रहना, स्वयं का मूल्यंकन करना तथा नकारात्मक गुणों को दूर कर सकारात्मक गुणों का विस्तार करना। (iv) सत्यम् - सत्य के मार्ग पर चलना। (v) क्षमा - दूसरों तथा स्वयं को गलतियों के लिए क्षमा करना। (vi) दंभ - ईर्दियों को वश में रखना। (vii) आलोभ - लालच नहीं करना एवं लालच में न आना। (viii) अध्ययन - स्वयं और दुनिया का अध्ययन करना। सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न मत पंथों के

अनुयायी सामान्यतः धर्म के उक्त वर्णित आठ तरीकों पर चलने का प्रयास करते पाए जाते हैं। धर्म की इस राह पर चलकर उन्हें समाज में शांति पूर्वक रहने की प्रेरणा मिलती है एवं अंततः उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही, विश्व के अन्य देशों में विकसित मत पंथों का अनुसरण करने वाले नागरिक भी भारत में पर्याप्त मात्रा में निवास करते हैं जैसे यहूदी, ईसाई एवं इस्लाम के अनुयायी, आदि। विश्व के अन्य भागों में विकसित उक्त वर्णित मत पंथों को सेमेटिक रिलिजन की श्रेणी में रखा जाता है क्योंकि इनकी साझा उत्पत्ति एवं कुछ सामान्य अवधारणाएं होती हैं, जैसे एक ही ईश्वर में विश्वास, नैतिकता एवं कर्मकांड।

यहूदी धर्म एक धर्मग्रंथ (ताल्मुद) पर आधारित है। इस धर्मग्रंथ में यहूदी लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया गया है। यहूदी धर्म सेमेटिक धर्म की श्रेणी में आता है क्योंकि इसमें एक ईश्वर (येहव) में विश्वास, अनुष्ठान एवं नैतिक नियमों का पालन किया जाता है। ईसाई धर्म ईसा मसीह की शिक्षाओं पर आधारित है, जो एक

ईश्वर में विश्वास एवं ईसा मसीह के द्वारा उद्धार करने एवं उनके द्वारा ही मोक्ष करने पर जोर देता है। इसी प्रकार इस्लाम भी पैगंबर मुहम्मद साहब की शिक्षाओं पर आधारित है, जो कि एक ईश्वर (अल्लाह) में विश्वास एवं कुरान का पालन करने पर जोर देता है।

भारत में उत्पन्न विभिन्न धर्मों एवं मत पंथों में ईश्वर की अवधारणा विविध है, परंतु सेमेटिक धर्मों में केवल एक ईश्वर में ही विश्वास किया जाता है। भारतीय मत पंथों में कर्मकांड का महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। भारतीय मत पंथों में मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है परंतु सेमेटिक धर्मों में मोक्ष की प्राप्ति केवल ईश्वर की कृपा से ही सम्भव है। भारतीय मत पंथों में विविध सामाजिक संरचना रहती है जबकि सेमेटिक धर्मों में एक समान सामाजिक संरचना रहती है एवं इसमें विविधता का अभाव है। भारत में उत्पन्न धर्मों एवं मत पंथों में तथा सेमेटिक धर्मों में सामाजिक संरचना एवं दर्शन भी अलग अलग है।

भारत के बारे में यह कहा जाता है कि यहां विविधता में भी एकता दिखाई देती है क्योंकि आज भारत में विभिन्न धार्मिक आस्थाओं एवं विभिन्न धर्मों की उपस्थिति तथा उनकी उत्पत्ति तो दिखाई ही देती है, साथ ही, व्यापारियों, यात्रियों, आप्रवासियों, एवं यहां तक कि आक्रमणकारियों द्वारा भी यहां लाए गए धर्मों को आत्मसात करते हुए उनका सामाजिक एकीकरण दिखाई देता है। सभी धर्मों के प्रति हिन्दू धर्म के आतिथ्य भाव के विषय में जॉन हार्डन लिखते हैं, 'हालांकि, वर्तमान हिन्दू धर्म की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता उसके द्वारा एक ऐसे गैर-हिन्दू राज्य की स्थापना करना है जहां सभी धर्म समान हैं...।'

पूरे विश्व में संभवतः केवल भारत ही एक ऐसा देश है जहां धार्मिक विविधता एवं धार्मिक सहिष्णुता को समाज द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है। सनातन हिंदू संस्कृति में धर्म को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। भारतीय नागरिक स्वयं को किसी न किसी धर्म से सम्बंधित अवश्य बताता है। इसी के चलते, भारतीय नागरिक विश्व के किसी भी कोने में चला जाय परंतु अपनी संस्कृति को छोड़ता नहीं है। इसी कारण से यह कहा जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर आज की परिस्थितियों की बीच केवल भारतीय सनातन संस्कृति के माध्यम से ही पूरे विश्व में एक बार पुनः शांति स्थापित की जा सकती है।

संपादकीय

प्रधानमंत्री का सख्त संदेश

पाकिस्तान के साथ सीजफायर के दो दिन बाद सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन में इस्लामाबाद को कड़ा संदेश दिया। प्रधानमंत्री ने अपने 22 मिनट के संबोधन में सीजफायर, आतंकवाद, पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके), ऑपरेशन सिंदूर, पहलवानों में जनय हमला और सिंधु जल समझौते पर बात की। उन्होंने कड़े तेवर के साथ कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं चल सकते। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकता जाहिर उनका यह संदेश सिर्फ पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि विश्व समुदाय के लिए भी था। प्रधानमंत्री के संबोधन से एक बात साफ हो गई कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान और आतंकवाद के बारे में पुरानी नीति का परित्याग कर दिया है जहां कूटनीति और आतंक का सहअस्तित्व था। उन्होंने विश्व समुदाय को भारत की नई नीति और सिद्धांत के बारे में स्पष्ट तौर पर बता दिया कि अगर आप पाकिस्तान के साथ बात होगी तो आतंकवाद पर और पाक अधिकृत कश्मीर पर ही बात होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत परमाणु ब्लैकमेल को बर्लशत नहीं करेगा। यानी परमाणु हमले की धमकी को अलग-थलग करके आतंकी अड्डों को नष्ट करेगा। यह याद रखा जाना चाहिए कि अगर पाकिस्तान भारत पर परमाणु हमला करता है तो भारत को सिर्फ खरोंचे ही आएंगी, लेकिन विश्व मानचित्र से पाकिस्तान का नाम ही मिट जाएगा। विश्व समुदाय जानता है कि भारत एक जिम्मेदार और सभ्य राष्ट्र है जो पहले परमाणु शस्त्र का इस्तेमाल कभी नहीं करेगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में इस बात को दोहराया कि यह युद्ध का समय नहीं है, लेकिन इसी के साथ उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह आतंकवाद का भी समय नहीं है। वास्तव में भारत पिछले दशकों से आतंक की पीड़ा झेल रहा है। ऐसा पहली बार हुआ कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान में इस्लामाबाद से कराची तक 13 जगहों को अपना निशाना बनाया। न केवल निशाना बनाया बल्कि पाकिस्तान के कई लड़ाकू विमानों को नेतस्नाबूट भी कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बुद्ध ने शांति का रास्ता दिखाया है, लेकिन शक्ति से ही शांति का रास्ता निकलता है। इसका अर्थ साफ है कि भारत अब भई बिनु होई न प्रीति..की नीति को आगे बढ़ाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा भी है कि 'ऑपरेशन सिंदुर' स्थगित हुआ है, खत्म नहीं।



ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस दुनिया भर के लोगों में प्यार, सद्भाव, एकता को प्रोत्साहित करने के लिए समर्पित विश्व उत्सव है। संयुक्त राष्ट्र ने परिवारों के महत्व और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए इस दिन की स्थापना की। परिवार हमें एकसूत्रता में बांधता है, रिश्तों की अहमियत को गहराई से समझाता है, सभी पारिवारिकजनों में प्यार बढ़ाता है। हमें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने और हमारे भावनात्मक संबंधों को मजबूत करते हुए बेहतर इंसान बनाने में करता है। संयुक्त राष्ट्र ने माना कि बदलती आर्थिक और सामाजिक संरचनाएं दुनियाभर में पारिवारिक इकाइयों को प्रभावित कर रही हैं, इसलिए, 1993 में इसने आधिकारिक तौर पर 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस के रूप में घोषित किया। जैसाकि दुनिया दोहा, कतर में 4-6 नवंबर 2025 में सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की तैयारी कर रही है, तब अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस सतत विकास को आगे बढ़ाने में परिवार-उन्मुख नीतियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डालेगा, जो गरीबी उन्मूलन, सभ्य कार्य और सामाजिक समावेशन के प्रति प्रतिबद्धताओं को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां: सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' थीम के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और क्षेत्रीय पहलों से महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि को उजागर किया जाएगा, जिसमें सतत



मनोज चतुर्वेदी

अपने 14 साल के टेस्ट करियर में देश को तमाम उपलब्धियां दिलाने वाले विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को स्तब्ध कर दिया है। कुछ दिनों पहले उनके लाल गेंद से अभ्यास करने की खबरें आ रही थीं। इस फैसले की किसी को उम्मीद नहीं थी। विराट के संन्यास लेने से एक युग की समाप्ति हो गई है। वह सचिन तेंदुलकर की तरह अपना युग कायम करने में सफल रहे। ऐसा कोई खिलाड़ी अपने करियर को विराम देता है, तो क्रिकेटप्रेमियों के दिल टूटते ही हैं। विराट ने सचिन तेंदुलकर के संन्यास से खाली हुई जगह को भरा था। विराट के संन्यास लेने से खाली हुई जगह को कौन भरेगा, यह तो आने वाला समय ही बताएगा। विराट ने 123 टेस्ट खेल कर इसकी 210 परियों में 9230 रन बनाए जिनमें 30 शतक शामिल रहें। उनका औसत 46.85 का रहा। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कुछ समय पहले कहा था कि विराट 10,000 टेस्ट रन पूरे करने वाले चौथे भारतीय बनेंगे। इससे पहले गावस्कर, सचिन

विकास के लिए प्रौद्योगिकीय परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव, शहरीकरण, प्रवासन और जलवायु परिवर्तन जैसी बड़ी प्रवृत्तियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय विकास एजेंडा में परिवार-केंद्रित नीतियों को एकीकृत करने के महत्व पर जोर दिया जाएगा। परिवार में रिश्तों की एक मजबूत डोर होती है, सहयोग के अटूट बंधन होते हैं, एक-दूसरे की सुरक्षा के वादे और इरादे होते हैं। हमारा यह फर्ज है कि इस रिश्ते की गरिमा को बनाए रखें। हमारी संस्कृति एवं परंपरा में पारिवारिक एकता पर हमेशा से बल दिया जाता रहा है। प्राणी जगत एवं सामाजिक संगठन में परिवार सबसे छोटी इकाई है। परिवार के अभाव में मानव समाज के संचालन की कल्पना भी दुष्कर है, प्रत्येक व्यक्ति-न-किसी परिवार का सदस्य होकर ही अपनी जीवन यात्रा को सुखद, समृद्ध, विकासोन्मुख बना पाता है। उससे अलग होकर उसके अस्तित्व को सोचा नहीं जा सकता है। हमारी संस्कृति और सभ्यता अनेक परिवर्तनों से गुजर कर अपने को परिष्कृत करती रही है, लेकिन परिवार संस्था के अस्तित्व पर कोई भी आंच नहीं आई। वह बने और बन कर भले टूटे हों लेकिन उनके अस्तित्व को नकारा नहीं जा सकता है। हम चाहे कितनी भी आधुनिक विचारधारा में पल रहे हो लेकिन अंत में अपने संबंधों को विवाह संस्था से जोड़ कर परिवार में परिवर्तित करने में ही संतुष्टि एवं जीवन की परिपूर्णता-सार्थकता अनुभव करते हैं। परिवार का महत्व न केवल भारत में बल्कि दुनिया में सर्वत्र है। आधुनिक समाज में परिवार का विघटन आम बात हो चुकी है। ऐसे में परिवार न टूटे इस मिशन एवं विजन के साथ अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार के बीच में रहने से आप तनावमुक्त व प्रसन्नचित्त रहते हैं, साथ ही आप अकेलेपन या डिप्रेशन के शिकार भी नहीं होते, यही नहीं परिवार के साथ रहने से आप कई सामाजिक बुराइयों से अछूते भी रहते हैं। परिवार दो प्रकार के होते हैं- एक एकल परिवार और दूसरा संयुक्त परिवार। एकल परिवार में पापा-मम्मी और बच्चे रहते हैं। संयुक्त परिवार में पापा-मम्मी, बच्चे, दादा दादी, चाचा, चाची, बड़े पापा, बड़ी

मम्मी, बुआ इत्यादि रहते हैं। संयुक्त परिवार टूटने एवं बिखरने की त्रासदी को भोग रहे लोगों के लिये यह दिवस बहुत महत्वपूर्ण है। वास्तव में मानव सभ्यता की अनूठी पहचान है संयुक्त परिवार और वह जहां है वहीं स्वर्ग है। रिश्तों और प्यार की अहमियत को छिन्न-भिन्न करने वाले पारिवारिक सदस्यों की हरकतों एवं तथाकथित आधुनिकतावादी सोच से जहां बुढ़ापा कांप उठता है, वहीं बच्चों की दुनिया को भी बहूत सारे आयोजनों से बेदखल कर दिया है। दुख सहने और कष्ट झेलने की शक्ति जो संयुक्त परिवारों में देखी जाती है वह एकल रूप से रहने वालों में दूर-दूर तक नहीं होती है। आज के अल्पाधुनिक युग में बढ़ती महंगाई, चूने से बनी दीवारों से घिरा जमीं का बोझ इस्सा घर-परिवार कहलाता है जिसके साथ 'भैं' और 'मेरापन' जुड़ा है। संस्कारों से प्रतिबद्ध संबंधों की संगठनात्मक इकाई उस घर-परिवार का एक-एक सदस्य है। हर सदस्य का सुख-दुख एक-दूसरे के मन को छूता है। प्रियता-अभियता के भावों से मन प्रभावित होता है। घर-परिवार जहां हर सुबह रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा, चिकित्सा की समुचित व्यवस्था की जुगाड़ में धूप चढ़ती है और आधी-अधूरी चिंताओं का बोझ ढोती हुई हर शाम घर-परिवार आकर ठहरती है। कभी लाभ, कभी हानि, कभी सुख, कभी दुख, कभी संयोग, कभी वियोग, इस द्वंद्वत्मक परिस्थितियों के बीच जिंदगी का कालचक्र गति करता है। आदमी की हर कोशिश ह्वावर-परिवारह्व बनाने की रहती है। सही अर्थों में घर-परिवार वह जगह है जहां स्नेह, सौहार्द, सहयोग, संगठन सुख-दुख की साझेदारी, सबमें सबक होने की रवीकृति जैसे जीवन-मूल्यों को जीया जाता है। जहां

सबको सहने और समझने का पूरा अवकाश है। अनुशासन के साथ रचनात्मक स्वतंत्रता है। निष्ठा के साथ निर्णय का अधिकार है। जहां बचपन सत्संस्कारों में पलता है। युवकत्व सपेक्ष जीवनशैली में जीता है। वृद्धत्व जीए गए अनुभवों को सबके बीच बांटता हुआ सहिष्णु और संतुलित रहता है। ऐसा घर-परिवार निश्चित रूप से पूजा का मंदिर बनता है। परिवार एक संवाधन की तरह होता है। फिर क्या कारण है कि आज किसी भी घर-परिवार के वातायन से झांककर देख लें-दुख, चिंता, कलह, ईर्ष्या, घृणा, पक्षपात, विवाद, विरोध, विद्रोह के साये चलते हुए दीखेंगे। अपनों के बीच भी परायेपन के अहसास परसरा हुआ होगा। विचारभेद मनभेद तक पहुंचा जाेगा। विश्वास संदेह में उतर आएगा। ऐसी अनकही तनावों की भीड़ में आदमी सुख के एक पल को पाने के लिए तड़प जाता है। कोई किसी के सहने/समझने की कोशिश नहीं करता। क्योंकि उस घर-परिवार में उसके ही अस्तित्व के दायरे में उद्देश्य, आदर्श, उम्मीदें, आस्था, विश्वास की बदलती परिधियां केंद्र को ओझल कर भटक जाती हैं। विघटन शुरू हो जाता है। भारतीय परिवार में परिवार की मर्याद और आदर्श परंपरागत है। विश्व के किसी अन्य समाज में गृहस्थ जीवन की इतनी पवित्रता, स्थायीपन, और पिता-पुत्र, भाई-भाई और पति-पत्नी के इतने अधिक व स्थायी संबंधों का उदाहरण प्राप्त नहीं होता। विभिन्न क्षेत्रों, धर्मों, जातियों में जीते के अधिकार, विवाह और विवाह विच्छेद आदि की प्रथा की दृष्टि से अनेक भेद पाए जाते हैं, किंतु फिर भी 'संयुक्त परिवार' का आदर्श सर्वमान्य है। अधिकतर परिवार में तीन पीढ़ियों और कभी कभी इससे भी अधिक पीढ़ियों के व्यक्ति एक ही घर में, अनुशासन में और एक ही रसोईघर से संबंध रखते हुए सम्मिलित संपत्ति का उपभोग करते हैं और एक साथ ही परिवार के धार्मिक कृत्यों तथा संस्कारों में भाग लेते हैं। मुसलमानों और ईसाइयों में संपत्ति के नियम भिन्न हैं, फिर भी संयुक्त परिवार के आदर्श, परंपराएं और प्रतिष्ठा के कारण इनका सम्पत्ति के अधिकारों का व्यावहारिक पक्ष परिवार के संयुक्त रूप के अनुकूल ही होता है।

टेस्ट क्रिकेट : विराट ने भी दिया विराम

और द्रविड़ इसे पा चुके हैं' पर वह इस कीर्तिमान से 770 रन दूर रह गए। गावस्कर कहते हैं कि कोई भी खिलाड़ी जब खेलना शुरू करता है तो उसे खेलने में लुफ्त आता है, और यह लुफ्त उसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने तक आता रहता है। लेकिन जब खिलाड़ी का लुफ्त आना बंद हो जाता है, तो वह संन्यास जैसा फैसला करता है। गावस्कर कहते हैं कि लुफ्त नहीं आने के कई कारण हो सकते हैं। विराट के साथ भी ऐसा कुछ हुआ होगा। विराट ने इंस्टाग्राम पर संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार वैगी ब्ल्यू पहने 14 साल हो गए हैं। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे क्रिस साफर पर ले जाएगा। अब जब मैं खेल के इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं, जो आसान नहीं है। मैं इसे अपना सब कुछ दिया और इसने मुझे उम्मीदों से कहीं ज्यादा दिया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्करा के देखूंगा। इसने मुझे परखा, आकार दिया और ऐसे सबक सिखाए जिन्हें जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना निजी अनुभव होता है। यह शांत संघर्ष है, लंबे दिन और छोटे पल हैं, जिन्हें कोई नहीं देखता लेकिन वे हमेशा आपके साथ रहते हैं। टेस्ट मैचों को खेलने के लिए बहुत शारीरिक और मानसिक ताकत की जरूरत होती है। भले ही विराट को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फिटनेस वाले खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है पर बहुत संभव है कि वह पांच टेस्ट की सीरीज खेलने के लिए अपने को मानसिक रूप से मजबूत न पाते हों। वैसे भी हम विराट के 2019 के बाद के प्रदर्शन को देखें तो इसमें बहुत गिरावट आ गई

थी। 2024 में उन्होंने खेले 10 टेस्ट में 24.52 के औसत से मात्र 417 रन ही बनाए जिसमें पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे के पहले टेस्ट में बनाया एकमात्र शतक शामिल है। इससे उत्पन्न प्रदर्शन में गिरावट को आसानी से समझा जा सकता है। इस खराब प्रदर्शन के साथ ही वह ऑफ स्टंप से बाहर की गेंदों पर डूबव करने के प्रयास में लगातार रिलप और गली में कैच हो रहे थे। इसकी वजह उनके रफिफलेक्सस में कमी आना भी हो सकता है। यह भी कहा जा रहा है कि पिछले साल पहली बार घर में न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज और फिर ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज हारने के दौरान विराट और रोहित शर्मा के खराब प्रदर्शन करने के बाद ही मुख्य चयनकर्ता और कोच गौतम गंभीर ने इंग्लैंड दौरे से शुरू हो रही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की नई साइकिल से यंग ब्रिगेड पर भरोसा करने का मन बना लिया था। कहा जा रहा है कि विराट से गंभीर ने कह दिया था कि वह इंग्लैंड दौरे के लिए उन्हें चुनेंगे जरूर पर इसके बाद से उनके प्रदर्शन को देख कर ही फैसले करेंगे। इससे साफ था कि उन्होंने उससे आगे देखने का मन बना लिया है। जहां तक बात विराट के स्वीर्णिम प्रदर्शन की है, तो इसमें 2016-18 तक के समय को रखा जा सकता है। इस दौरान उन्होंने 75 से ज्यादा के औसत से रन बनाए। इस दौरान ही अपने 30 शतकों में से 14 शतक जमाए। यह वही दौर था जब उनके टेस्ट शतकों में मामले में सचिन तेंदुलकर से आगे निकलने की उम्मीद की जा रही थी। लेकिन समय बीतने के साथ प्रदर्शन में गिरावट आने से वह 30 शतक पर ही सीमित होकर रह गए। विराट के प्रदर्शन की खुबी यह भी रही कि



उन्होंने घर और बाहर, दोनों जगह बराबरी से रन बनाए। घर में खेले 55 टेस्ट में 4336 रन और घर से बाहर खेले 68 टेस्ट में 4894 रन बनाए। उनके घर में 14 और बाहर 16 शतक हैं। विराट भारत के सफलतम टेस्ट कप्तान हैं। उन्होंने अपनी कप्तानी में खेले गए 68 टेस्ट मैचों में से 40 जीते, 17 हारे और 11 ड्रा रहे। उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी के 60 में से 27 टेस्ट जीत के रिकॉर्ड को तोड़ा था। विराट के रिकॉर्ड तक पहुंचना भावी कप्तानों के लिए आसान नहीं होगा। वह कप्तान के तौर पर सात दोहरे शतक लगाने वाले दुनिया के इकलौते क्रिकेटर हैं। लगातार तीन टेस्ट सीरीजों में दोहरे शतक लगा कर वह डॉन ब्रेडमैन और राहुल द्रविड़ को पीछे छोड़ने में भी सफल हो गए थे। विराट अपने बल्ले से चमक बिखरने के कारण ही लोकप्रिय नहीं थे, बल्कि मैदान में दिखाई जाने वाली ऊर्जा के लिए भी जाने जाते थे। साथी खिलाड़ियों में भी दम भरने की हिम्मत रखते थे।

बच्चे के अंदर दिखें ये बदलाव तो पेरेंट्स न करें नजरअंदाज, हो सकते हैं एंग्जायटी के लक्षण



अगर बच्चा किसी काम को करने से पहले घबराता है, हथेलियों पर पसीना आए या फिर लोगों से मिलने-जुलने से कतराने लगे। तो पेरेंट्स को अपने बच्चे के इस बदलते व्यवहार के प्रति सतर्क रहने की जरूरत है। कई बार बच्चे एंग्जायटी को लेकर बात करना चाहते हैं, लेकिन माता-पिता उनकी बातों को अनसुना कर देते हैं। ऐसे में अगर समय पर एंग्जायटी के लक्षणों पर ध्यान न दिया जाए और इलाज न किया जाए, तो आगे चलकर इसके गंभीर परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एंग्जायटी के लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं।

बच्चे का गुस्सैल होना - अगर बच्चे में एंग्जायटी की समस्या की समय रहते पहचान न की जाए, तो इसका सीधा असर बच्चे के लिए बिहेवियर पर देखने को मिलता है। बच्चा गुस्सैल हो जाता है किसी भी काम को करने से पहले झुंझलाते या फिर घबराते हैं।

तैयारी के बाद भी एंग्जाम में जाने से डरना एंग्जायटी की समस्या से गुजरने वाले बच्चों के अंदर एग्जाम को लेकर डर बैठ जाता है। अच्छी तैयारी होने के बाद भी उनको लगता है कि वह अच्छा परफॉर्म नहीं कर पाएंगे। कई बार वह परीक्षा न देने के लिए बहाने ढूंढते हैं या फिर उससे बचने का प्रयास करते हैं। अच्छी तैयारी होने के बाद भी वह खुद पर भरोसा नहीं कर पाते हैं।

घर से बाहर जाने में घबराहट
अगर बच्चा घर से बाहर जाने में कतराता है या किसी पार्टी वरिश्तेदार के यहां जाने से बचता है या फिर कई बार शॉपिंग पर जाने से मना करना। बच्चे का स्कूल जाने की इच्छा नहीं होना और न अपने दोस्तों से मिलना।

भूख और नींद कम होना
बता दें कि एंग्जायटी का असर बच्चे की नींद और भूख पर भी देखने को मिलता है। पहले जिन खेलों या एक्टिविटी में हिस्सा लेने के लिए बच्चा आगे रहता था, अब उसमें वह हिस्सा लेने से पीछे हट जाता है। या फिर डॉसिंग, सिरिंग या ड्राइंग जैसी मनपसंद एक्टिविटी में मन नहीं लगना।

एंग्जायटी के लक्षण
पेट दर्द या सिरदर्द की शिकायत
जी घबराना या उल्टी होना
सांस लेने में तकलीफ
ज्यादा पसीना आना
ऐसे पहचानें पेरेंट्स
पहले जिन कामों को करने में बच्चा दिलचस्पी दिखाता था, अब उन्हीं कामों को वह बोझ समझने लगा है।

बच्चा अगर किसी काम को करने से पहले ही यह कह दे कि वह मुझसे नहीं होगा।

बच्चे का बार-बार बीमार पड़ना और रात में नींद कम आना।

बच्चे का बाहर जाने से मना करना।

किसी से मिलने-जुलने में कंफर्टेबल फील नहीं करना।

काम को न करने के लिए बच्चे द्वारा नप-नप बहाने बनाना।

जानिए क्या करें पेरेंट्स

बच्चे के व्यवहार में बदलाव देखने के बाद पेरेंट्स उनसे ज्यादा बात करने का प्रयास करें। साथ ही यह भी प्रयास करें कि आखिर बच्चा किस बात को लेकर परेशान हो रहा है। इसलिए बच्चे की बात को बेफिजूल मानकर नहीं टालना चाहिए। बच्चे को ऐसे फील कराएं कि आप उनका साथ हर स्थिति में देंगे। बच्चे के आसपास रहें और उनको कंफर्टेबल फील कराने का प्रयास करें। उनकी डाइट का ध्यान रखें। बच्चे की सेहत पर यदि एंग्जायटी का ज्यादा असर नजर आने लगा है तो किसी अच्छे साइकोलॉजिस्ट या काउंसलर से बात करने में बिल्कुल भी देर नहीं करें।



केरल के मुनरो आइलैंड की खूबसूरती देखकर झूम उठेंगे आप, प्रकृति प्रेमियों के लिए है जन्नत

दक्षिण भारत में जब किसी खूबसूरत राज्य में घूमने की बात होती है, तो बहुत सारे लोग केरल का नाम सबसे पहले लेते हैं। केरल दक्षिण भारत का पर्यटन हब माना जाता है। केरल की खूबसूरती हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। यहां पर स्थित लैगून और बैकवॉटर देखने के लिए लोग केरल पहुंचते हैं। जब भी केरल घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले एलेप्पी, कुमारकोम, मुन्नार, वायनाड, वागामों और त्रिशूर जैसी फेमस जगहों पर जाना चाहते हैं। लेकिन मुनरो द्वीप के बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मुनरो द्वीप की खूबसूरती, खासियत और यहां पर मौजूद कुछ शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुनरो द्वीप

केरल के कोल्लम जिले में स्थित मुनरो द्वीप एक अद्भुत और अनोखी जगह है। यह कोल्लम शहर के कुछ किमी की दूरी है। इस द्वीप को कई लोग मुद्रोथुरुथु के नाम से भी जानते हैं।

केरल में अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर यह द्वीप स्थित है। मुनरो द्वीप राजधानी तिरुवनंतपुरम से करीब 90 किमी की दूरी पर है। यह द्वीप एलेप्पी से करीब 87 किमी दूर और कोट्टयम से महज 84 किमी दूर है।

मुनरो द्वीप का इतिहास

मुनरो द्वीप का इतिहास काफी रोचक है। इस आइलैंड के बारे में बताया जाता है कि इसका नाम पूर्व ब्रिटिश निवासी कर्नल मुनरो के नाम पर रखा गया है। बताया जाता है कि जब कर्नल मुनरो ने देखा कि सिंचाई के लिए आसपास के इलाकों में बहुत समस्या हो रही है, तब इस द्वीप का निर्माण करवाया गया था।

मुनरो द्वीप की खासियत

केरल के साथ-साथ दक्षिण भारत का भी यह एक ऐसा आइलैंड है, जो नदी और झील के किनारे स्थित है। मुनरो द्वीप अष्टमुडी झील और कल्लदा नदी के संगम पर स्थित है। जोकि अपने आप में अनोखा है।

इस द्वीप के बारे में कहा जाता है कि यह केरल का छिपा हुआ मोती है, जो करीब 8 द्वीपों से बना हुआ है। यहां पर स्थित बैकवाटर और लैगून पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सैलानियों के लिए है खास

मुनरो द्वीप अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है और यहां पर हर दिन हजारों की संख्या में पर्यटक आते हैं। खासकर जो सैलानी बैकवाटर

और लैगून से प्रेम करते हैं, उनके लिए मुनरो द्वीप किसी स्वर्ग से कम नहीं है। वहीं प्रकृति प्रेमियों के लिए भी यह खास जगह है।

मुनरो द्वीर अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। मानसून में इस द्वीप की खूबसूरती चरम पर होती है।

आसपास घूमने की जगहें

मुनरो द्वीप के आसपास कई शानदार और मनमोहक जगहें हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। आप यहां पर अष्टमुडी झील, वेस्ट एंड ईस्ट कल्लाडा और थेवलक्करा गांव को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कैसे पहुंचे मुनरो द्वीप

बता दें कि मुनरो द्वीप पहुंचना आसान है। इसके पास में कोल्लम रेलवे स्टेशन है, जोकि यहां से 27 किमी दूर है। वहीं अगर आप हवाई मार्ग से जाना चाहते हैं, तो यहां पर सबसे पास त्रिवेंद्रम एयरपोर्ट जोकि 80 किमी दूर है। ऐसे में आप एयरपोर्ट से कैब या टैक्सी करके मुनरो द्वीप जा सकते हैं।



रोजाना खाली पेट सूखे आंवले और जीरे का पानी पीने से शरीर को मिलेंगे कई फायदे, बदलाव देख रह जाएंगे हैरान

आयुर्वेद में सूखा आंवला पाउडर और जीरे के पानी को स्वास्थ्य के लिए लाभकारी माना जाता है। दरअसल, आंवला और जीरा दोनों ही प्राकृतिक तत्व और पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। यह शरीर को कई बीमारियों से बचाता है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति नियमित रूप से इसका सेवन करते हैं, तो इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और इम्युनिटी बढ़ाने में भी मददगार होता है। इसके अलावा यह बालों और स्किन के लिए भी फायदेमंद होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सूखे आंवला पाउडर और जीरे के पानी के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

ऐसे बनाएं आंवला पाउडर और जीरे का पानी
आंवला पाउडर - 1 चम्मच सूखा
जीरा पाउडर - 1 चम्मच भुना हुआ
पानी - 1 गिलास गुनगुना
इन सभी चीजों को पानी में मिलाकर उबाल लें और फिर सुबह खाली पेट इसका सेवन करें।

पाचन तंत्र होगा मजबूत

सूखा आंवला पाउडर और जीरे का पानी पाचन क्रिया को दुरुस्त करता है। आंवले में फाइबर की

अधिक मात्रा पाई जाती है, जो कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है। वहीं जीरा गैस, एसिडिटी और अपच को ठीक करता है। ऐसे में अगर आप रोजाना सुबह खाली पेट आंवला पाउडर और जीरा पानी पीते हैं, तो इससे पाचन संबंधी समस्या दूर होगी।

इम्युनिटी

आंवला विटामिन सी का मुख्य स्रोत है। यह शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाता है। आंवले में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स शरीर को फ्री रेडिकल्स से बचाने का काम करते हैं। जीरा में एंटी इन्फ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। जोकि इंफेक्शन से लड़ने में सहायता करता है। ऐसे में नियमित रूप से यह पीने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं कम होती हैं।

वेट लॉस

अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो सूखा आंवला पाउडर और जीरा पानी आपके लिए लाभकारी हो सकता है। आंवला मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है और जीरा भी एक्स्ट्रा फैट कम करता है। साथ ही यह कॉम्बिनेशन भूख कम करने के साथ ही शरीर की एक्स्ट्रा चर्बी कम करने में सहायक है।

डिटॉक्सिफिकेशन में लाभकारी
आंवला और जीरा पानी पीने से शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकलते हैं। आंवला लिवर को स्वस्थ रखता है और खून साफ करता है। वहीं जीरा भी शरीर के हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मददगार होता है। इसलिए रोजाना सुबह खाली पेट इसको पीने से बॉडी डिटॉक्स होता है और शरीर का एनर्जी लेवल बढ़ता है।

स्किन और बालों के लिए फायदेमंद
आंवला में विटामिन सी और एंटी ऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह स्किन को ग्लोइंग बनाता है और झुर्रियों को भी कम करता है। वहीं यह पिगमेंटेशन और मुहासों को भी दूर करता है। वहीं जीरे का पानी भी बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है। यह बालों का झड़ना कम करने के साथ उनको मजबूत बनाता है।

डाइबिटीज होगी कंट्रोल
दरअसल, आंवले में क्रोमियम नामक मिनरल पाया जाता है, जो ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने में सहायता करता है। तो वहीं जीरा भी इंसुलिन सेंसिटिविटी को बेहतर करता है, जिससे डाइबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है।



केरल में भी हैं जम्मू-कश्मीर जैसी जगहें, जानें कहां और कैसा है वहां का नजारा



जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में तनाव का माहौल है। कई लोग अब जम्मू-कश्मीर जाने से डर रहे हैं। ऐसे में इस ठंडे राज्य में गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए जिन लोगों ने पहले से टिकट बुक कर रखे थे, उनमें से ज्यादातर लोग अपनी टिकट कैसिल करा रहे हैं। इन सभी के दिमाग में एक बात जरूर आ रही होगी कि अगर वो जम्मू-कश्मीर की टिकट कैसिल करा रहे हैं तो इस गर्मी के मौसम में भारत के किस राज्य में जाना बेहतर रहेगा। ऐसे में आज इस खबर के जरिए जानिए कि गर्मी की छुट्टियां बिताने के लिए भारत में कौन सी जगह सबसे अच्छी रहेगी...

केरल के वायनाड जिले में स्थित कलपेट्टा नामक इलाका बेहद शांत और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर जगह है। यह जगह आपको बेहद पसंद आएगी। प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर यह हिल स्टेशन पर्यटकों को एक नया अनुभव देता है। आइए अब इस जगह के बारे में पूरी जानकारी जानते हैं।

केरल के बारे में सोचते ही सबसे पहले उनके दिमाग में मुन्नार या थेक्कडी जैसी जगहें आती हैं। दरअसल, ये दोनों ही जगहें लोकप्रिय पर्यटन स्थल हैं। लेकिन केरल में और भी कई नई और अनोखी जगहें-इनमें से एक है कलपेट्टा। जी हां! हममें से कई लोगों ने अब तक कलपेट्टा के बारे में नहीं सुना होगा। लेकिन यह एक ऐसी जगह है जो लोगों के दिलों को मोह लेती है। यह ऊंची पहाड़ियों और हरे-भरे जंगलों का एक सुंदर मिश्रण दृश्य प्रस्तुत करता है।

कलपेट्टा केरल के वायनाड जिले में स्थित एक जगह है, यहां चारों तरफ हरे-भरे पेड़ और प्राकृतिक सुंदरता है। यहां जाने वाले हर व्यक्ति के लिए यह एक अच्छा अनुभव होगा। यह बहुत ही शांत वातावरण वाली जगह है। यह समुद्र तल से लगभग 780 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। पश्चिमी घाटी के बीच स्थित इस जगह पर मौसम हमेशा ठंडा रहता है। गर्मियों में भी ठंड कभी कम नहीं होती। यही कारण है कि यह पूरे साल घूमने के लिए एक आदर्श जगह है।

कलपेट्टा के आसपास मेप्पाडी नामक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चाय के बागान हैं। इन हरे-भरे क्षेत्रों के बीच घूमना एक अद्भुत एहसास देता है। हर पर्यटक इनके बीच के रास्तों पर घूमना और फोटो लेना पसंद करता है। कलपेट्टा से 15 किमी दूर एक खूबसूरत झील है। वहां नाव से यात्रा करना और पक्षियों को देखना बहुत आनंददायक है। इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त है। यह प्राकृतिक झील समय बिताने के लिए एक शांतिपूर्ण स्थान प्रदान करती है।

यदि आप कहीं ठंडी जगह जाना चाहते हैं, चाहे गर्मी की छुट्टियों में या मानसून के मौसम में, तो कलपेट्टा सबसे अच्छा विकल्प है। यह एक ऐसा हिल स्टेशन है जिसकी प्राकृतिक सुन्दरता के बारे में बहुत से लोगों को जानकारी नहीं है। यदि आप कुछ नया देखना चाहते हैं और यातायात और अराजकता से दूर एक शांत, ठंडी जगह में समय बिताना चाहते हैं, तो आपको निश्चित रूप से कलपेट्टा की यात्रा करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से खुली स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की राह

निःशुल्क ट्रेनिंग के साथ मिली आर्थिक मदद

नीमच 27 मई (निप्र)। नीमच में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना से लोगों का जीवन खुशहाली की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लागू पीएम विश्वकर्मा योजना से हर वर्ग के लोगों की ज़िंदगी संभर रही है।

यह योजना देश के गरीब कारीगरों और शिल्पकारों को विकास की मुख्यधारा के साथ जोड़ने के लिए प्रारंभ की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक रूप से मजबूत करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम विश्वकर्मा योजना की दिस्ंबर 2023 को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर शुरूआत की थी। पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत बेरोजगार लोगों स्वरोजगार

प्रशिक्षण एवं ऋण के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। इस योजना में सरकार द्वारा बढ़ई, लोहार, राज मिस्त्री, सुनार, कुम्हार, दर्जी, नाई, मोची, मूर्तिकार, खिलौना निर्माता आदि परम्परागत रोजगार से जुड़े लोगों को आर्थिक सहायता और कोशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

नीमच के पास दुदरसी गांव में भी एक राज मिस्त्री (मकान बनाने का कार्य) गोपाल गायरी ने इस योजना का लाभ लिया है। इस योजना से गोपाल को पहले 7 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान चार हजार रुपये की राशि मिली। इसके बाद उन्हें बैंक द्वारा विश्वकर्मा योजनांतर्गत एक लाख रुपए का ऋण भी मिला।

उन्होंने अपने राज मिस्त्री (मकान बनाने का कार्य) के कार्य में ऋण राशि का उपयोग किया।

गोपाल ने प्राप्त ऋण राशि से मकान निर्माण में मिस्त्री के कार्य में आनेवाले उपकरण एवं सामग्री खरीदी और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया। इससे उसका जीवन खुशहाल और समृद्ध हुआ है। पीएम विश्वकर्मा योजना से मिली आर्थिक सहायता के बाद अब गोपाल और उनका परिवार प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद दे रहा है।

म.प्र.गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम के तहत वाहन राजसात

नीमच 27 मई (निप्र)। एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड द्वारा पुलिस थाना जावद के अपराध क्रमांक 353/2024 म.प्र.गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004 एवं म.प्र.कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम म.प्र.पशु कुरता अधिनियम में जप्तशुदा आयसर कंपनी का टुक वाहन क्रमांक यू.पी.93डी. टी.1907 एवं उसमें परिवहन किए जा रहे 12 गाय एवं 3 बछड़े कुल 15 नग गौवंश शासन हित में राजसात करने का आदेश जारी किया है।

आईटीआई नीमच में प्रवेश प्राप्त करें

नीमच 27 मई (निप्र)। शासकीय आईटीआई नीमच में संचालित एनसीवीटी, एससीवीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी विभाग विभाग के पोर्टल www.dsd.mp.gov.in पर स्वयं या ऑनलाईन साँप पर जाकर प्रवेश रजिस्ट्रेशन, रजिस्ट्रेशन में त्रुटिसुधार एवं च्याईस 31 मई 2025 तक कर सकेंगे। शासकीय आईटीआई नीमच में इलेक्ट्रीशियन 20 सीट, कोपा 48 सीट, स्टेशो हिन्दी 48 सीट, इलेक्ट्रानिक्स मैकेनिक 24 सीट, मैकेनिक डीजल 48 सीट, फिटर 20 सीट है। इच्छुक अभ्यर्थी आईटीआई में उपस्थित होकर प्रवेश ले सकते हैं।

भोपाल में हिंदू लड़कियों को इस्लाम की शिक्षा भी दे रहे थे रेप और ब्लैकमेलिंग के आरोपी

भोपाल 26 मई (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, उज्जैन सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों में हिंदू लड़कियों के साथ दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग की कई घटनाएँ हाल ही में एक-एककर सामने आई हैं। सभी घटनाओं में समान बात यह भी पता चली है कि आरोपित हिंदू लड़कियों को फंसाने के बाद उन्हें इस्लाम की शिक्षा दे रहे थे।

आरोपित लड़कियों में सनातन परंपरा के विरुद्ध जहर भरते और फिर समझाते कि हमारी दुआ में बहुत ताकत होती है। उनका बेल वाद कर उन्हें बताते थे कि कलमा क्या होता है। रोजा क्यों रखा जाता है। हमारे इस्लाम में पद्धति कठिन जरूर है लेकिन दुआ जल्दी स्वीकार होती है।

पीड़ित लड़कियों के बयान और बरामद साक्ष्यों से ऐसे कई तथ्य मिले हैं, जिससे पता चलता है कि फरहान और उसके साथियों का यह संगठित अपराध कई वर्षों से चला आ रहा था। भोपाल में दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग कांड के मुख्य आरोपित फरहान के ही मोबाइल में पुलिस को 64 लड़कियों के आपत्तिजनक वीडियो मिले हैं। इनमें से 58 टीआईटी कॉलेज में पढ़ चुकी हैं।

जोया लड़कियों को फोन करती थी - हिंदू लड़कियों को फंसाने में फरहान की बहन जोया उसकी और अन्य आरोपितों की मदद किया करती थी। पीड़ित लड़कियों ने बताया कि जब वे फरहान से दूर जाने का प्रयास करती थी, तब जोया

उन्हें फोन किया करती थी कि फरहान भाई अपसेट हैं। भाई आपको बहुत मानते हैं, आप उनसे एक बार बात कर लो।

जोया भी वीडियो वायरल करने की धमकी देती थी - एक पीड़िता ने जब जोया से दुष्कर्म और ब्लैकमेल की शिकायत की। उससे कहा कि फरहान के मोबाइल से वीडियो डिलीट कर दो, वह हमारे वीडियो वायरल करने की धमकी देता है, तो जोया ने डरया कि ज्यादा बोला तो भाई बाद में करेगा, मैं तुरे वीडियो पहले वापरल कर दूंगी। लापरवाही का चरम यह है कि इन तथ्यों के सामने आने के बाद भी भोपाल पुलिस ने जोया व फरहान के अन्य स्वजन को आरोपित नहीं बनाया।

पंचायतों में उपचुनाव कराने मतदाता सूची बनेगी

राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया कार्यक्रम, एक माह में जुड़ेंगे-हटेंगे नाम

भोपाल 26 मई (एजेंसी)। प्रदेश में पंचायत राज संस्थाओं के उपचुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची का कार्यक्रम तय कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि एक जनवरी 2025 को आधार मानकर नए मतदाताओं के नाम शामिल किए जाएंगे। रजिस्ट्रीकरण अधिकारी 25 जून को ग्राम पंचायत और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन करेंगे। आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार सभी रजिस्ट्रीकरण अधिकारी आज शाम तक अधिकारियों को प्रशिक्षण देने और शिफ्टिंग सूची के सत्यापन का कार्य करेंगे। इसके बाद मतदाता सूची तैयार किए जाने का काम शुरू होगा। इसके लिए जो भी कर्मचारी तैनात किए जाएंगे उन्हें आयोग द्वारा तय समय सीमा में मतदाता सूची में बदलाव कर देना होगा ताकि चुनाव कार्यक्रम तय किए जा सकें।

ऐसे चलेगा कार्यक्रम - मतदाता सूची बनाने वाले वेण्डर 30 मई को शिफ्टिंग, जांच और संशोधन के लिए चेकलिस्ट रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को देंगे। दाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 5 जून को किया जाएगा। इस संबंध में मतदाताओं तथा जनप्रतिनिधियों को जानकारी देने के लिए 5 और 6 जून को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की जाएंगी। मतदाता सूची के संबंध में दावे-आपत्तियां 5 से 11 जून तक प्राप्त की जाएंगी। दावे आपत्तियों का निराकरण 17 जून तक किया जाएगा। इसकी चेकलिस्ट 20 जून तक तैयार करके चेकलिस्ट में सुधार के बाद 21 जून को वेण्डर को उपलब्ध करा दिया जाएगा। फोटोयुक्त मतदाता सूची 23 जून तक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं वेण्डर द्वारा जनरेट की जाएगी। इसे 23 जून को ही वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा।

ग्वाल टोली गाडोलिया बस्ती स्थित कुएं पर चलाया जल गंगा संवर्धन अभियान



नीमच 27 मई (निप्र)। जल की सुरक्षा जीवन की सुरक्षा के उद्देश्य को लेकर प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कुएं बचाई तालाबों नदी नालों को स्वच्छ रखने हेतु नगरपालिका नीमच द्वारा जिला कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा के मार्ग दर्शन में नगरपालिका नीमच, संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के साथ ही समाज सेवियों, पत्रिका द्वारा नीमच शहर में निरन्तर जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है अभियान के तहत मंगलवार दिनांक 27 मई को ग्वाल टोली बरूखेडा मार्ग, गाडोलिया बस्ती स्थित आरोग्य सेवा मंदिर परिसर के कुएं

की साफ-सफाई कर कुएं में से प्लास्टिक पोलैथिन थैलियां,फुल पत्ती, गंदा कचरा निकाल कर कुएं की साफ-सफाई की गई इसके पश्चात परिसर से प्लास्टिक पोलैथिन थैलियां गंदा कचरा आदि एकत्रित किया गया, नगरपालिका की जेसीबी की मदद से परिसर में बिखरे पड़े पत्थर एवं गन्दे कचरे के ढेर लगा कर परिसर की साफ-सफाई की गई इस अवसर पर क्षेत्र के पार्षद हरगोविंद दिवान ने क्षेत्र वासियों एवं गोडोलिया बस्ती के लोगों को जल बचाओ जीवन बचाओ की जानकारी देते हुए कहा कि जल को व्यर्थ न बहाएं, कुएं के जल को दुषित होने से बचाएं, कुएं में किसी भी प्रकार का कचरा फुल मालाएं आदि न डालें,जल

को शुद्ध रखना आप सभी का दायित्व है दुषित जल से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, बच्चों को भी समझाएं जल को दुषित होने से बचाएं,अभियान में क्षेत्र के पार्षद हरगोविंद दिवान, संकल्प पर्यावरण मित्र संस्था के संरक्षक इंजिनियर नवीन कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष किशोर बागड़ी, उपाध्यक्ष राजकुमार सिन्हा, जगदीश शर्मा, नगरपालिका के केमिस्ट सुरेश पंवार, संजय शर्मा, शेरू चौहान, किशन कश्यप, दशरथ, चुन्रीलाल, कचरूलाल, दुर्गा शंकर, दिलीप नायक, पत्रिका एवं सुरेश लोक शिक्षण समिति के राजेंद्र सिंह, के साथ ही छोटे छोटे बच्चों आदि ने प्रातः 8 से 10 बजे तक श्रमदान कर सहभागिता निभाई।

जाजू कॉलेज में नए सत्र के प्रवेश प्रारंभ

रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम बीएससी हेल्थ केयर मैनेजमेंट के नए कोर्स की शुरुआत

नीमच । श्री सीताराम जाजू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच में नए सत्र 2025 26 के प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं प्राचार्य डॉ. एन.के.डबकरा ने बताया कि छात्राओं हितार्थ हेल्थ सेंटर व काउंसलिंग की व्यवस्था पूरे कार्य दिवस के दौरान महाविद्यालय में रखी गई है । काउंसलिंग कक्ष में महाविद्यालय के सभी विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहते हैं व नव प्रवेश हेतु आने वाली छात्राओं को नवीन शिक्षा नीति के अंतर्गत विषयों का विवरण और साथ ही साथ सभी विषयों में करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी हेतु छात्राओं का मार्गदर्शन करते हैं । साथ ही इंटरनेट व कंप्यूटर की सुविधा के साथ हेल्थ सेंटर की भी व्यवस्था छात्राओं के लिए की गई है महाविद्यालय के हेल्थ सेंटर में उन छात्राओं को पंजीकरण



में सहायता उपलब्ध करवाई जा रही है जो अपने स्तर पर पंजीकरण नहीं कर पा रही हैं । प्रथम चरण में छात्राओं का पंजीकरण भी निःशुल्क किया जा रहा है। उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार महाविद्यालय में इस वर्ष नवाचार के अंतर्गत एक रोजगारोन्मुखी नवीन पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जा रहा है, यह पाठ्यक्रम बीएससी हेल्थ केयर

मैनेजमेंट है जो की युवा छात्राओं के कोशल विकास के साथ.साथ रोजगार उपलब्धि में भी सहयोगी साबित होगा। बीएससी हेल्थ केयर मैनेजमेंट कोर्स (ए.ई.डी.पी.अप्रेंटिसशिप एबेडेड डिग्री प्रोग्राम) के अंतर्गत प्रवेश लेने वाली छात्राओं को तृतीय वर्ष के दौरान अप्रेंटिसशिप के लिए 8000 प्रतियोगिता के रूप में प्रदान किए जाएंगे।

प्रदेश अध्यक्ष कमल विश्वकर्मा की अध्यक्षता में पालक संघ की बैठक आयोजित

नीमच । पालक महासंघ मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष माननीय कमल विश्वकर्मा आज 28 मई2025 बुधवार को एक दिवसीय नीमच प्रवास पर आ रहे हैं । इस संबंध जानकारी



देते हुए पालक संघ जिला ईकाई नीमच के जिला मीडिया प्रभारी कपिल शुक्ला द्वारा बताया कि कमल विश्वकर्मा नीमच जिला मुख्यालय पर आज जागीड़ ब्राह्मण समाज मंदिर जवाहर नगर नीमच के सभागार में दोपहर 12:30 बजे संघ की जिला एवं तहसील इकाईयों के जिला एवं तहसील अध्यक्ष एवं पालक संघ के सभीपदाधिकारियों महिला विंगकी सभी पदाधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित विशेष बैठक को संबोधित करेंगे । बैठक में निजी शिक्षण संस्थाओं में छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों

के हितों के संरक्षण एवं शासन की और से निजी स्कूलों के लिए जारी गाइड लाइन का पालन करने निजी स्कूलों में ली जाने वाली फीस से संबंधित जानकारी एवं अन्य सुविधाओं का लाभ दिलाने संबंधी शासनादेश का पालन करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन देंगे। पालक संघ जिला इकाई नीमच के जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा एवं महिला विंग जिला अध्यक्ष प्रियंका कविश्वर ने सभी जिला एवं तहसील स्तर के पदाधिकारियों से आयोजित छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकगणों के संरक्षण हेतु आयोजित विशेष बैठक में निर्धारित समय पर उपस्थित रहने का अनुरोध किया है । उक्त जानकारी संघ के जिला सचिव श्रवण शर्मा ‘राज’ द्वारा प्रेस नोट के माध्यम से जारी की गई।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर ‘डर्टी कांड’ करने वाले नेता से सेटलमेंट के लिए मांगे गए थे 1 लाख रुपए

मन्दसौर 26 मई । दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर महिला के साथ आपत्तिजनक हरकत करने वाले भाजपा नेता मनोहर धाकड़ ने रविवार को डेढ़ बजे भानपुरा थाने पर सरेंडर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने करीब तीन घंटे तक आरोपी धाकड़ से पूछताछ की। भाजपा का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ था।



सेटलमेंट के लिए मांगे गए 1 लाख रुपए - सूत्रों की माने तो पुलिस की पूछताछ में आरोपी मनोहर धाकड़ ने बताया कि उससे 6-7 सात लोग कुछ देर बाद एक्सप्रेस वे पर मिले। उससे कहा कि तुमने जो गलत

काम किया। इसका वीडियो बन गया है। यह वीडियो वायरल ना हो इसके लिए एक लाख रुपए दो।

20 हजार में हुई डील - इस दौरान धाकड़ ने काफी हाथ पैर जोड़े उसके बाद 20 हजार रुपए में बात तय हुई और जेब में

रखे 20 हजार रुपए ब्लैकमेल करने वालों को दिए। जिसके बाद धाकड़ और महिला कार से निकल गए। आरोपी धाकड़ से एसडीओपी दिनेश प्रजापति और थानाप्रभारी आरसी डांगी ने देर तक अलग-अलग पूछताछ की।

सूत्रों की मानें तो भानपुरा पुलिस भाजपा नेता मनोहर धाकड़ की कॉल डिटेल भी निकल रही है। जिसमें यह देखा जाएगा किन-किन लोगों से धाकड़ ने बात की है। उसमें शामिल सभी लोगों को बुलाकर पुलिस पूछताछ भी की जाएगी। इसके अलावा एक्सप्रेस वे से जिन कर्मचारियों की सूची मिलेगी। उन सभी से भी पूछताछ की जाएगी। एक्सप्रेस के अधिकारियों ने तीन कर्मचारियों

को निकालने की बात कही है। ऐसे में उन तीन कर्मचारियों पर ब्लैकमेलिंग को लेकर पूछताछ की जाएगी।

इस पूरे मामले पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ने कहा कि आरोपी से पूछताछ की गई है। तहसील न्यायालय में पेश किया था। जहां से आरोपी आरोपी धाकड़ को जेल भेज दिया गया। एक्सप्रेस वे से सूची आना शेष है। सूची में जिनके नाम होंगे। सभी कर्मचारियों से पूछताछ की जाएगी। घटनाक्रम के आधे घंटे बाद का एक फुटेज भी निकाला जा रहा है। उस फुटेज के बाद आगे की कार्रवाई भी की जाएगी।

स्वावलम्बी महिला, सशक्तराष्ट्र : महिला सशक्तिकरण की मिसाल बनी मधुकुंवर, बैंक सखी के रूप में बनाई अपनी पहचान

नीमच 27 मई (निप्र)। नीमच जिले के ग्राम धनेरियाकला की मधु कुंवर ने आजीविका समूह से जुड़ने के बाद गणवेश सिलाई का कार्य प्रारंभ किया और बैंक सखी के पद पर कार्यरत हो कर समाज में खुद की एक नई पहचान बनाई है। साथ ही अपनी आर्थिक स्थिति को भी सुधारा है।

समूह में जुड़ने से पहले वह गृहणी के रूप में कार्य करती थी तथा उसके परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। उसके पति दूसरे लोगों के वाहन चलाने का कार्य करते थे। जिससे परिवार का पालन पोषण करने में काफी कठिनाई आ रही थी। समूह से जुड़ने से पहले वह घर से बाहर नहीं जाती थी। इस वजह से उसे



कोई जानता भी नहीं था।

स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद मधुकुंवर को गणवेश सिलाई का कार्य मिला। आजीविका मिशन द्वारा उनका चयन बैंक सखी के लिए किया गया।

इस पद पर चयन के बाद वह बैंक जाने लगी और बैंकिंग प्रक्रिया

समझने में आजीविका मिशन एवं बैंक से सहयोग मिला। आज वह बैंक सखी का कार्य बेहतर ढंग से कर रही है। लोगों को बैंकिंग प्रक्रिया समझाने में सहयोग कर रही है। जब उनके समूह जय बंजरग बली स्व सहायता समूह को एक लाख रुपये की राशि मिली, तो

उन्होंने 25 हजार रुपये का ऋण लेकर, कपड़ों की सिलाई कार्य का प्रारंभ किया, इससे उन्हें प्रतिदिन दो सौ रुपये की आमदनी होने लगी और प्राप्त लाभ से उन्होंने समूह से लिया हुआ ऋण नियत समय में समूह को वापस कर दिया। पुनः मधुकुंवर ने 40 हजार की राशि का ऋण लिया और स्वयं थोड़ी राशि मिलाकर एक वाहन खरीदा, जिससे उनके पति को भी रोजगार मिल गया। अब वह हर महीने 10 से 12 हजार रुपये की आमदनी प्राप्त कर रही है।

आजीविका मिशन से जुड़ने से उसकी एक नई पहचान बन गई है, और वह समाज की अन्य महिलाओं के लिये प्रेरणा स्रोत बन गई है।

मॉडल विद्यालय नीमच में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

नीमच 27 मई (निप्र)। शा. मॉडल उ.मा.वि. (कर्मचारी कॉलोनी के पास, कनावटी) नीमच में प्रवेश चयन परीक्षा से किया जाता है। चयन परीक्षा से उत्तीर्ण छात्र 6 जून 2025 तक विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित कर लेवे।

वर्तमान में विद्यालय में कक्षा 6 एवं 7वीं अंग्रेजी माध्यम, कक्षा 9 हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम तथा कक्षा 11 हिन्दी माध्यम कला, गणित एवं जीवविज्ञान संकाय

में रिक्त सीट होने से राज्य स्तर से प्राप्त निर्देशों के अनुक्रम में विद्यालय में प्रवेश हेतु आवेदन 09 जून 2025 तक आमंत्रित किये गए हैं। मेरिट क्रम, परीक्षा के आधार पर प्रवेश दिया जावेगा।

कक्षा 6 ,7 तथा 9 में प्रवेश के लिये पूर्व कक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत या बी ग्रेड से उत्तीर्ण तथा कक्षा 11वीं में प्रवेश हेतु कक्षा 10वीं में न्यूनतम 60 प्रतिशत से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **42000/-**
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु **42000/-** - से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरू ...

RTO मॉडल मात्र
~~रु 81000/-~~ रु **76000/-***
(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का ।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866